दिनांक 5 अक्टूबर, 2018 को माननीया राज्यपाल का बी.आई. टी. मेसरा में PANTHEON- 2018 अवसर पर अभिभाषण के मुख्य बिन्दु:-

- मुझे PANTHEON- 2018 के उद्घाटन समारोह में आप सभी के मध्य सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है।
- जैसा की हम सब जानते है, झारखण्ड प्रदेश प्राकृतिक एवं खनिज सम्पदा से परिपूर्ण है। यहाँ के संसाधनों को पूर्ण कुशलता से यदि उपयोग किया जाय तो यह विकसित राज्यों की श्रेणी में अग्रणी होगी।
- PANTHEON- 2018 का मूल विषय **'techstones: thennownext** है। इसी संकल्पना को आगे ले जाते हुए प्रौद्योगिकी के विकास क्रम को निर्दिष्ट करता है। यह प्रसन्नता का विषय है कि पर्यावरण जैसे महत्त्वपूर्ण मुद्दे को यहाँ इस उत्सव का विषय बनाया गया है। इसके लिए मैं आप सभी को बधाई देना चाहूँगी।
- हममें से हर कोई यही चाहेगा कि आगे आने वाली पीढ़ी के लिए सुरक्षित धरती और सुरक्षित जलवायु उपलब्ध हो। हमारी औद्योगिक गति तब तक संतुलित नहीं होगी जब तक हम पर्यावरण के पहलू को अपने विचार का हिस्सा नहीं बनाते। ऐसा करते हुए हम अपने झारखंड राज्य को देश के औद्योगिक मानचित्र पर महत्त्वपूर्ण स्थान दिला सकते हैं।

- आज हमें यह देखने की नितांत आवश्यकता है कि हम किस प्रकार अपने पर्यावरण की रक्षा करते हुए विकास की मार्ग अपना सकते हैं, जिससे दोनों के बीच संतुलन बना रहे।
- पर्यावरण की अहमियत सिर्फ सरकारी Agenda बन कर न रह जाय। सभी इसकी अहमियत को जाने। लोगों में इसके प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास किये जाय। साथ ही पर्यावरण की रक्षा के लिए जो व्यक्ति या संगठन कार्य कर रहे हैं, उनके मनोबल को बढ़ाने का कार्य करें।
- अत्यंत ही चिन्ता का विषय है कि सूर्य की Ultra Violet Rays को धरती पर आने से रोकने वाली ओजोन लेयर पतली होती जा रही है और उसमें छिद्र की बातें भी सामने आ रही है। हमारे वैज्ञानिक भी इस हेतु गंभीर है क्योंकि अगर इसके घटने की रफ्तार यही रही तो दुनिया खतरे में आ सकती है। आज कैंसर रोगियों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रहा है, हो सकता है कि इसका एक कारण यह Ultra Violet Rays भी हो। धरती पर जीव-जन्तुओं का अस्तित्व बना रहे, इसके लिए सभी मानवजाति को कार्य करना होगा।
- अभी कुछ दिन पहले अखबारों में खबर छपी थी कि वायु प्रदूषण के कारण गर्भ में पल रहे बच्चों को आगे चलकर Blood Pressure और दूसरी कई बीमारियों हो सकती हैं। सदैव खबरें आती हैं कि जहाँ खनन होता है या बड़े उद्योग

लगे हैं, वहाँ प्रदूषण काफी ज्यादा है। हालांकि उद्योग देश के विकास के लिए बेहद जरूरी है। GDP में इनका बहुत बड़ा योगदान है। ऐसे में, Industrial Development और पर्यावरण के मध्य संतुलन बना रहे, इस ओर गंभीर एवं व्यापक प्रयास की जरूरत है।

- Global Warming के कारण Glacier पिघल रहे हैं, इससे फसल चक्र के अनियमित होने की संभावना है और Agriculture Production पर असर पड़ सकता है। इस ओर भी हम सभी को चिन्तन करने की आवश्यकता है और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक-से-अधिक कार्य करने की ओर ध्यान देना होगा।
- निरंतर बढ़ती हुई जनसंख्या की मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति तथा उनके आर्थिक स्तर में वृद्धि हेतु Industrial Development भी अत्यन्त ही आवश्यक है। परिवहन के साधन में भी वृद्धि होना जरूरी है, लेकिन इसके साथ वृक्षारोपण में भी उसी अनुपात में वृद्धि होती, तो आज ये स्थिति नहीं होती।
- सर्वविदित है कि झारखण्ड राज्य प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। यहाँ वन, पहाड़, झरने जैसी निराली एवं मनमोहक प्रकृति देखने को मिलती है। हमें इन सभी को बचाकर रखना है। विकास के साथ-साथ पर्यावरण का भी विशेष ध्यान रखना प्रत्येक मानव का कर्त्तव्य है।

➢ सर्वविदित है कि झारखण्ड राज्य कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में समृद्ध है। **BIT** द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का यह सराहनीय प्रयास है। मैं इस उत्सव की सफलता कामना करती हूँ तथा आशा करती हूँ कि इसके माध्यम से बहुत–से लोग पर्यावरण की रक्षा के प्रति जागरूक होंगे।

जय हिन्द्! जय झारखंड!